नव भारत
1934 से

5 यूक्रेन और पश्चिम एशिया संकट पर मंथन

6 कितने खोखले हैं देश की प्रगति के दावे

7 कनाडा दौरे से बढ़ी व्यापार में रफ्तार

11 सिंधु-लक्ष्य-सात्विक क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एक नजर में

सुको के लिए पांच नामों पर कॉलेजियम की मुहर

नई दिल्ली. उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए पांच नामों की अनुशंसा भेजी है. कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना के नामों का प्रस्ताव दिया है.

मां वाग्देवी की प्रतिमा भारत लाने सौंपा पत्र

धार. मध्यप्रदेश में धार लोकसभा क्षेत्र की सांसद सावित्री ठाकुर ने केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर लंदन के संग्रहालय में सुरक्षित मां वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाकर भोजशाला में पुनर्स्थापित करने का आग्रह किया है. आधिकारिक जानकारी के अनुसार सांसद सावित्री ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपकर प्रतिमा को शीघ्र भारत लाने की मांग की.

गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

सीबीआई पूर्व जज को जिला अदालत में पेश करेगी आज

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 28 मई. एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह की हाईकोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद गुरूवार को सीबीआई ने गिरफ्तार किया. गिरिबाला सिंह का देर शाम को मेडिकल चेकअप भी कराया गया. शुक्रवार को सीबीआई कोर्ट में उन्हें पेश किया जाएगा. मामले में ट्विशा के पति समर्थ सिंह को पहले से ही सीबीआई की रिमांड पर लिया गया है.

वहीं, हाईकोर्ट में बुधवार देर रात 1 बजे पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका रद्द हो गई. गुरुवार को सीबीआई ने बिना देरी किए उन्हें गिरफ्तार कर लिया.सीबीआई जांच की रिपोर्ट लेकर जिला अदालत में पहुंची है. सूत्र बताते हैं कि घर में अकेले कमरे में उनसे पूछताछ की गई . बुधवार को देर रात हाईकोर्ट ने

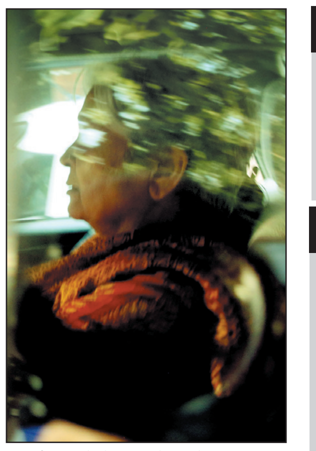
पूर्व जज गिरिबाला सिंह गिरफ्तार.

कहा कि गंभीर साक्ष्य और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी को राहत देना उचित नहीं था. निचली अदालत केस डायरी और उपल्बध साक्ष का समुचित परिक्षण नहीं किया. आदेश में ये भी उल्लेख किया गया है कि शव पर फांसी के अलावा अन्य चोटों के निशान पाए गए थे लेकिन, संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया. वहीं, पुलिस समर्थ से पूछताछ कर रही है. शुक्रवार को समर्थ की रिमांड खत्म होगी. कयास लगाया जा रहा है कि कोर्ट से सीबीआई अब समर्थ की रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है. जानकारी के मुताबिक ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत और दहेज प्रताड़ना मामले में सबूत मिटाने और जांच में सहयोग न करने के आरोप में गिरिबाला सिंह की गिरफ्तारी हुई है.

(शेष पेज 2 पर)

हाई इंटेंसिटी कैमरे से घर की रिकॉर्डिंग की

सीबीआई ने मामले की जांच करते हुए गिरिबाला सिंह के घर में हाई इंटेंसिटी 3डी कैमरा लगाकर पूरे परिसर की 360 डिग्री रिकॉर्डिंग भी की है. इसके साथ ही आसपास की लोकेशन भी स्कैन की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटनास्थल किसी पड़ोसी मकान की छत या बालकनी से दिखाई देता है या नहीं.

हाईकोर्ट का 17 पन्ने का आदेश जारी

पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका को भी जबलुर हाइकोर्ट ने रद्द कर दिया है. मामले में हाईकोर्ट ने देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया. इसमें कोर्ट ने कहा कि मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था. ट्विशा शर्मा संदिग्ध मौत और दहेज प्रताड़ना मामले में हाई कोर्ट में बुधवार को करीब पौने तीन घंटे चली सुनवाई चली. सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, जिसका आदेश गुरुवार देर रात करीब 1 बजे जारी हुआ. हाई कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने जमानत देते समय कई अहम तथ्यों और सबूतों पर ठीक से विचार नहीं किया.

सिद्धारमैया ने दिया इस्तीफा

- डीके शिवकुमार के सिर सजेगा कर्नाटक का ताज
- कांग्रेस ने लागू किया रोटेशनल सीएम फॉर्मूला

बेंगलुरु, 28 मई. कर्नाटक की राजनीति में बड़ा बदलाव करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया.बेंगलुरु में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी हाईकमान के निर्देश मिलते ही वह पद छोड़ देंगे.

सिद्धारमैया ने बताया कि बुधवार को हाईकमान ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा और गुरुवार को उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया. प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी उनके साथ मौजूद रहे.इस्तीफे के बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक में डीके शिवकुमार के नाम पर सहमति बनने की खबर है.कर्नाटक सरकार में मंत्री एचके पाटिल ने संकेत दिए कि शिवकुमार ही राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे. इस्तीफे से पहले सिद्धारमैया ने अपने आवास पर मंत्रियों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग की, जिसमें उन्होंने अपने फैसले की जानकारी दी.इस दौरान भावुक दृश्य भी देखने को मिले जब डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया.राज्यपाल थावरचंद गहलोत फिलहाल बेंगलुरु से बाहर हैं, इसलिए इस्तीफा उनके सचिव को सौंपा गया है.संवैधानिक प्रक्रिया के तहत राज्यपाल की मंजूरी मिलने तक सिद्धारमैया कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे. राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक यह बदलाव कांग्रेस के उस रोटेशनल मुख्यमंत्री फार्मूले का हिस्सा है, जो 2023 विधानसभा चुनाव के बाद तय हुआ था.

> चुनाव जीतने के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार थे .उस समय पार्टी नेतृत्व ने सत्ता संतुलन बनाए रखने के लिए तय किया था कि कार्यकाल के बीच में नेतृत्व परिवर्तन किया जाएगा . सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में राज्य मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल हो सकता है .करीब 15 से 20 नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिलने की संभावना है, जबकि कई मौजूदा मंत्रियों को हटाया जा सकता है .दो डिप्टी सीएम बनाए जाने की भी चर्चा है, जिनमें एक दलित और दूसरा लिंगायत या ओबीसी समुदाय से हो सकता है .

मुलाकात

नई दिल्ली, 28 मई. देश के केंद्रीय और कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की मुलाकात.

घुसपैठिये को देश से बाहर जाना होगा

- बोले अमित शाह-सीमा पर सख्त है केंद्र सरकार
- आतंक और घुसपैठ पर भारत का कड़ा संदेश

बीकानेर/अहमदाबाद 28 मई. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर अवैध घुसपैठियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जो लोग अवैध रूप से भारत में आए हैं, उन्हें वापस लौट जाना चाहिए.

गुजरात में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले सीमाओं से लगातार घुसपैठ होती थी, लेकिन अब केंद्र सरकार की सख्त नीति के चलते हालात बदल चुके हैं. अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है और सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं. उन्होंने दावा किया कि अब अवैध घुसपैठिए खुद वापस जाने को मजबूर हो रहे हैं. गृह मंत्री ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी. अमित शाह ने यह भी कहा, कि बंगाल में घूपैठिये खूद जाते हैं, तो उन पर केस नहीं बंगाल सरकार उन पर कोई केस नहीं करेगी. इससे पहले अमित शाह ने राजस्थान के बीकानेर में बीएसएफ की सांचू पोस्ट का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने सरहद और जीरो पॉइंट क्षेत्र का निरीक्षण किया और सीमा पर तैनात जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बीएसएफ के आधुनिकीकरण पर लगातार काम कर रही है ताकि सीमा सुरक्षा और मजबूत हो सके.

शब्दों का जादू बिखेरने वाले बशीर बद्र को अलविदा

उनकी शायरी - कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो

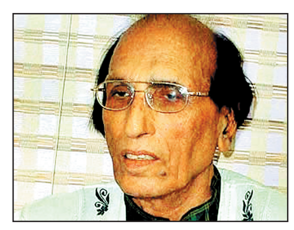

मेरठ, 28 मई. आधुनिक उर्दू गजल को नई पहचान देने वाले मशहूर शायर और पद्मश्री सम्मानित डॉ. बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं रहे. भोपाल में लंबी बीमारी के बाद 91 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया.उनके जाने से उर्दू अदब की दुनिया में एक ऐसा सन्नाटा उतर आया है, जिसे लंबे समय तक महसूस किया जाएगा.मोहब्बत, तन्हाई, रिश्तों और इंसानी जज़्बात को बेहद सादगी और गहराई से अल्फाज देने वाले बशीर बद्र सिर्फ शायर नहीं, बल्कि एक दौर की पहचान थे.मेरठ से उनका रिश्ता बेहद गहरा रहा, लेकिन 1987 के दंगों ने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया और वह हमेशा के लिए शहर छोड़कर भोपाल चले गए.मेरठ की साहित्यिक फिजाओं में कभी डॉ. बशीर बद्र की मौजूदगी एक पहचान हुआ करती थी.मेरठ कॉलेज के उर्दू विभाग में प्रोफेसर रहे बशीर बद्र छात्रों और साहित्य प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय थे.

भारत-चीन सीमा वार्ता में सौहार्द्र पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 28 मई. भारत और चीन ने सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने की दिशा में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए विशेष प्रतिनिधि स्तर की अगली वार्ता चीन में आयोजित करने पर सहमति जताई है.

दोनों देशों के बीच सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 35वीं बैठक बुधवार को बीजिंग में आयोजित हुई. बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा और महासागरीय मामलों की महानिदेशक होउ यानकी ने किया. दोनों पक्षों ने सीमा क्षेत्रों की स्थिति की व्यापक समीक्षा की और हाल के समय में सीमा पर सौहार्द बनाए रखने में हुई प्रगति को सकारात्मक बताया.

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत रचनात्मक और भविष्योन्मुखी रही.दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि द्विपक्षीय संबंधों को चरणबद्ध तरीके से सामान्य बनाने के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति बनाए रखना आवश्यक है.

भाजपा ने चार राज्यों में बदले प्रदेश अध्यक्ष

हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली की कमान

नई दिल्ली, 28 मई. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को संगठनात्मक फेरबदल करते हुए चार राज्यों दिल्ली, पंजाब, त्रिपुरा और हरियाणा में अपने नए प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा की.

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मंजूरी के बाद पार्टी के केंद्रीय कार्यालय द्वारा इस संबंध में आधिकारिक सूची जारी की गई. इस बड़े संगठनात्मक बदलाव के तहत केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है.पंजाब में पार्टी को नया आधार देने के लिए वरिष्ठ नेता केवल सिंह ढिल्लो को प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष बनाया गया है. हरियाणा में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए अर्चना गुप्ता को प्रदेश भाजपा इकाई के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है. वहीं, पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में भी कमान बदलते हुए अभिषेक देबरॉय को त्रिपुरा भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है.

केरल में लेट हुआ मॉनसून, दिल्ली को इंतजार

नई दिल्ली, 28 मई. देश के कई हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की धीमी रफ्तार ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पहले संभावना जताई थी कि मॉनसून 26 मई के आसपास केरल में दस्तक दे सकता है, लेकिन दो दिन गुजर जाने के बाद भी इसकी आधिकारिक एंट्री घोषित नहीं की गई है. हालांकि केरल में बारिश जारी है, लेकिन मौसम विभाग अभी मॉनसून के सभी मानकों के पूरा होने का इंतजार कर रहा है. मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मॉनसूनी हवाओं के कमजोर पड़ने और बंगाल की खाड़ी में बन रहे मौसमीय सिस्टम के कारण मॉनसून की प्रगति धीमी हुई है. हालांकि विशेषज्ञ इसे बहुत बड़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं.

एकजुटता का संदेश कांग्रेस अब क्षेत्रीय क्षत्रपों के दबाव में झुकने के बजाय केंद्रीय हाईकमान के फैसलों को लागू कराने में अधिक मुखर

राहुल की ठोस रणनीति से कर्नाटक में शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 28 मई. कांग्रेस पार्टी ने कुशल रणनीति का परिचय देते हुए कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को बगैर किसी बगावत मूर्त रूप दे दिया है. केरल के बाद कर्नाटक में पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने जिस परिपक्वता के साथ स्थानीय मांग को महत्व देते हुए अपेक्षाकृत युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए कद्दावर नेता सिद्धारमैया को सम्मानजनक सत्ता हस्तांतरण का मौका दिया है , वह निश्चित रूप से बदलते कांग्रेस का आगाज है.राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि यह बदलाव केवल एक चेहरे का हटना नहीं है, बल्कि मई 2023 के विधानसभा चुनाव की ऐतिहासिक जीत के बाद पर्दे के पीछे बने ढाई-ढाई साल के रोटेशनल फॉर्मूले को अमलीजामा पहनाना है. इस सत्ता परिवर्तन के दौरान दोनों नेताओं के बीच दिखी गर्मजोशी विशेषकर डी.के. शिवकुमार द्वारा सिद्धारमैया के पैर छूकर आशीर्वाद लेना यह दर्शाता है कि कांग्रेस इस बार गुटीय कलह के बजाय एकजुटता का संदेश देना चाहती है. इतना ही नहीं यह परिवर्तन यह साबित करता है कि

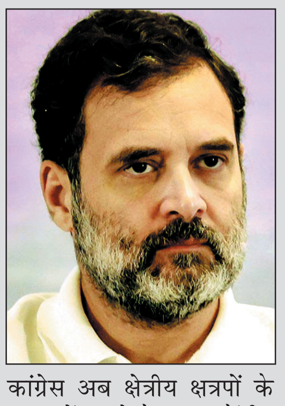

कांग्रेस अब क्षेत्रीय क्षत्रपों के दबाव में झुकने के बजाय केंद्रीय हाईकमान के फैसलों को लागू कराने में अधिक मुखर हुई है.

हालांकि, कद्दावर पिछड़ा वर्ग कुरूबा नेता सिद्धारमैया का हटना पार्टी के उस जमीनी अहिंदा यानी अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग, दलित वोटबैंक में बेचैनी पैदा कर सकता है, जिसने कांग्रेस को प्रचंड बहुमत दिलाया था. हालांकि पार्टी हाईकमान द्वारा सिद्धारमैया को आगामी चुनावों में राज्यसभा भेजने तथा उनकी वरिष्ठता का सम्मान के साथ राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत दक्षिण भारतीय चेहरे के तौर पर स्थापित करने का आश्वासन दिया गया है जो निश्चित रूप से केन्द्रीय नेतृत्व की सुलझी राजनीति का हिस्सा है.चेक एंड बैलेंस का फार्मूला - सूत्रों की मानें तो हाईकमान ने इस सत्ता हस्तांतरण को सफल बनाने और नए नेतृत्व को नियंत्रित रखने के लिए बहुस्तरीय चेक एंड बैलेंस का फॉर्मूला भी तैयार किया है. सबसे पहले सिद्धारमैया खेमे के सतीश जारकीहोली को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा गया है ताकि शिवकुमार के संगठनात्मक एकाधिकार को रोका जा सके. इसके साथ ही सरकार में लिंगायत, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से आने वाले तीन वरिष्ठ

(शेष पेज 2 पर)